TV9 EXCLUSIVE: जारी है जाली करेंसी कारोबार, 50 लाख के नकली नोटों सहित भोजपुरी एक्टर दिल्ली में गिरफ्तार

आरोपी शाहिद ने पुलिस के सामने कबूला है कि वो, "Allahabad to Islamabad" सहित कई भोजपुरी फिल्मों में् एक्टिंग कर चुका है. इसके अलावा उसने यूट्यूब पर मौजूद कई भोजपुरी गानों में भी एक्टिंग की है.

संजीव चौहान Publish Date - 7:50 pm, Tue, 16 March 21

लाख कोशिशों के बाद भी देश में जाली (नकली) नोटों का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है. कभी हिंदुस्तानी मास्टरमाइंड इस कारोबार को करते पकड़े जाते हैं. तो अक्सर हिंदुस्तान की धुर-विरोधी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी भी इस काले कारोबार को भारत की सर-जमी पर फैलाते नजर आती रहती है. ताकि हिंदुस्तान को सीधे-सीधे नुकसान पहुंचा पाने में नाकाम पाकिस्तान, भारत की अर्थ व्यवस्था को तबाह कर सके.

हाल-फिलहाल दिल्ली पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है. दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को इसका खुलासा किया. विशेषकर भारत को कमजोर करने के इरादे से किये जा रहे इस काले-कारोबार को करते हुए दिल्ली पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. इनके कब्जे से भारत की 50 लाख जाली मुद्रा जब्त की गयी है. गिरफ्तार जाली करेंसी तस्करों में एक तस्कर भोजपुरी फिल्मों का स्टार हीरो है. दिल्ली पुलिस मुख्यालय अफसरों की बात अगर मानें, तो कई साल में इतनी बड़ी तादाद में राजधानी में फेक करेंसी जब्त किए जाने का यह पहला मामला है.

टीवी9 भारतवर्ष से विशेष बातचीत करते हुए इस बड़ी सफलता की पुष्टि दक्षिणी-पूर्वी जिला डीसीपी आरपी मीणा ने की है. डीसीपी के मुताबिक, गिरफ्तार जाली करेंसी तस्करों का नाम, मो. शाहिद उर्फ राज सिंह उर्फ लल्लन (25), निवासी बटला हाउस, जामिया नगर, दिल्ली और दूसरे तस्कर का नाम सैय्यद जेन हुसैन, निवासी जोगाबाई एक्सटेंशन, ओखला, जामिया नगर दिल्ली है.

दिलचस्प बात यह है कि, जाली मुद्रा तस्करी इतने बड़े स्तर पर करने वाला मो. शाहिद महज पांचवी कक्षा और उसका साथी सैय्यद जेन हुसैन 9वीं कक्षा पास है. सैय्यद जेन का पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है. वो टैक्सी ड्राइवरी का काम भी करता था. जबकि मास्टरमाइंड मो. शाहिद दिल्ली स्थित आश्रम इलाके में फिल्म स्टूडियो चलाता है. उसके ऊपर दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में 8 आपराधिक मामले पहले से दर्ज पाये गये हैं. नकली नोटों के इतने बडे कारोबार का भांडाफोड़ जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ते की टीम ने किया है.

डीसीपी के मुताबिक, इनके कब्जे से जो नकली नोट मिले है. इस गैंग को दबोचने के लिए दक्षिणी-पूर्वी जिला में एक विशेष टीम बनाई गयी थी. इस टीम में सहायक पुलिस आयुक्त राम सुंदर, इंस्पेक्टर कैलाश विष्ट, सब-इंस्पेक्टर परवेश कसाना, सहायक सब इंस्पेक्टर रुप सिंह, विजू, हवलदार देशराज, व सिपाही हिमांशु, ललित, अरविंद, विनोद को शामिल किया गया था. यह टीम जेल से जमानत पर बाहर आये अपराधियों पर नजर रखने के काम में जुटी हुई थी. उसी दौरान पुलिस टीम के कुछ सदस्यों की नजर इस गिरोह पर जा टिकी. 12 मार्च को पुलिस ने न्यू फ्रेंड्स कालोनी इलाके में स्थित सीसी मार्केट के पास से इन जाली करेंसी तस्करों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस द्वारा की गयी पूछताछ में मो. शाहिद ने बताया कि, वो Shail Sanny Film Production नाम से हरिनगर आश्रम में स्टूडियो चलाता है. यहां फिल्मों की एडिटिंग और पोर्टफोलियो बनाये जाने का काम होता है.

आरोपी शाहिद ने पुलिस के सामने कबूला है कि वो, “Allahabad to Islamabad” सहित कई भोजपुरी फिल्मों में् एक्टिंग कर चुका है. इसके अलावा उसने यूट्यूब पर मौजूद कई भोजपुरी गानों में भी एक्टिंग की है. शाहिद शिकार को जाल में फंसाकर उससे असली नोट हड़पकर जाली करंसी उसके हवाले करने में माहिर है. यह काम वो लंबे समय से कर रहा है. लॉकडाउन के दौरान शाहिद को बड़ा आर्थिक घाटा हुआ था. उसी दौरान वो ऑटो लिफ्टर सैय्यद जेन हुसैन के संपर्क में आ गया.

दोनों ने मिलकर आर्थिक मुसीबत से उबरने के लिए वाहन चोरी करना शुरु कर दिया. पता चला है कि यह गैंग दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नेहरु प्लेस, लाजपत नगर आदि इलाकों में शिकार तलाशता था. ताकि भीड़ में शिकार से असली नोट कब्जाकर, उसके पल्ले में नकली नोट डाल दिये जायें. डीसीपी के मुताबिक, इन तस्करों से बरामद नकली नोट उच्च क्वालिटी के भले ही न हों. मगर आमजन को इन जाली नोटों के जाल में फंसाकर उन्हें, आर्थिक नुकसान पहुंचाने की धोखाधड़ी बखूबी हो सकती है.

Source: https://www.tv9hindi.com/crime/bhojpuri-actor-arrested-with-fake-notes-of-50-lakhs-in-delhi-581737.html